A–1229

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL (N)–201

(संस्कृत नाट्य साहित्य)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया,
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिनजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः,
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

2. महाकवित कालिदास की प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय देते हूए उनकी काव्यशैली की विस्तृत विवेचना कीजिए।

अथवा

महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

3. संस्कृत नाट्यसाहित्य के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर विस्तृत टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शूद्रक

(ख) मुरारि

(ग) भट्टनारायण

(घ) विशाखदत्त

(ङ) शक्तिभद्र

(च) राजशेखर

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर नायिका 'शकुन्तला' का चिरत्र चित्रण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भवभूति के व्यक्तित्व का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

   (क) विष्कम्भक

   (ख) प्रस्तावना

   (ग) नेपथ्य

   (घ) प्रवेशक

   (ङ) विदूषक

   (च) कंचुकी

3. नाटक के रूप में अभिज्ञानशाकुन्तलम् की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

4. संस्कृत नाटकों की मुख्य विशेषताओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

   (क) "विनीतवेषेण प्रवेष्टव्यानि तपोवनानि नाम"।

   (ख) "न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्"।

(ग) "अतिस्नेह पापशंकी"।

(घ) "स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्"।

6. महाकवि भास का जीवन परिचय देते हुए उनके कृतित्व पर भी विस्तृत प्रकाश डालिए।

7. "काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला" इस कथन की समीक्षा कीजिए।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **एक** पर आलोचनात्मक लघु निबन्ध लिखिए–

(क) श्रीहर्ष का नाट्यवैशिष्टय

(ख) जयदेव का नाट्यवैशिष्टय

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तलम के चतुर्थ अंक का संक्षिप्त सार अपने शब्दों में लिखिए।

****